

क्राइस्टचर्च टेस्ट से पहले भारतीय गेंदबाजी कोच ने गेंदबाजों को हड़बड़ी से बचने की दी सलाह

क्राइस्टचर्च

भारतीय गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ क्राइस्टचर्च में होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट से पहले अपनी टीम को गेंदबाजी में किसी तरह की बेचैनी या हड़बड़ी से बचने की सलाह दी है। भारत के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें जीवित रखने के लिए यह मुकाबला जीतना जरूरी है। हालांकि, मोर्कल ने खिलाड़ियों से बाहरी दबाव को नजरअंदाज करने और सत्र दर सत्र अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है।

मोर्कल ने प्री मैच प्रेस कान्फ्रेंस में कहा, सबसे पहले, एक टीम के रूप में हमें बेचैनी शब्द को अच्छी तरह समझने की जरूरत है। मुझे बेचैनी शब्द पसंद नहीं है क्योंकि इससे खिलाड़ी मैदान पर जरूरत से ज्यादा कोशिश करने लगते हैं और अपनी गेंदबाजी की सही दिशा से भटक जाते हैं। इसलिए मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है कि अगले सप्ताह हम बाहरी शोर और दबाव को पूरी तरह नजरअंदाज करें। मैं आपको बताता हूं कि ये सभी खिलाड़ी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में खेलना चाहते हैं और वहां पहुंचने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। लेकिन वास्तविकता यह है कि अगर हम ईमानदारी से देखें तो यह चुनौतीपूर्ण होने वाला है। इसलिए हर खराब सत्र के बाद हमें इस बात में उलझना नहीं चाहिए कि अब हमें क्या-क्या करना है।

उन्होंने आगे कहा, हमें सिर्फ अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने, समस्याओं का समाधान निकालने और उसी दिशा में आगे बढ़ने पर ध्यान देना चाहिए। हम इस बारे में काफी बात करेंगे कि मुकाबले को सत्र दर सत्र बांटकर कैसे खेलना है और किस तरह अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेल सकते हैं।

मोर्कल ने कहा कि दूसरे टेस्ट के लिए हेगले ओवल की पिच उन्हें काफी हरी नजर आ रही है लेकिन पिछले सप्ताह बेसिन रिजर्व की ऐसी ही दिखने वाली पिच से मिले अनुभव के बाद वह सतह को लेकर अभी कोई निष्कर्ष नहीं निकालना चाहते।

उन्होंने कहा, मैंने जितना देखा है, उसके अनुसार पिच फिर काफी हरी नजर आ रही है। मुझे लगता है कि वहां घास की परत थोड़ी लंबी है। हमें देखना होगा कि यह किस तरह खेलती है। जैसा मैंने कहा, पिछले मैच में सभी को उम्मीद थी कि पिच तेज और उछाल वाली होगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं है। हमें बस कल पहले सत्र में बल्लेबाजी और गेंदबाजी करते समय सामने आने वाली परिस्थितियों के अनुसार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

वेलिंगटन की बेहद सपाट पिच पर भारत के चार तेज गेंदबाजों का आक्रमण प्रभाव नहीं छोड़ सका था। ऐसे में क्राइस्टचर्च में गुरनूर बरार को मौका मिल सकता है। वह अपनी गति और उछाल से गेंदबाजी आक्रमण को धार दे सकते हैं। माना जा रहा है कि न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में गेंद जल्दी नरम पड़ने की समस्या से निपटने में भी उनकी भूमिका अहम हो सकती है।

मोर्कल ने गुरनूर को लेकर कहा, भारतीय टीम से जुड़ने के बाद से ही उसे लेकर काफी उत्साह है। उसकी गति और उछाल इसकी वजह है। मुझे लगता है कि वह यहां की परिस्थितियों के लिए काफी उपयुक्त गेंदबाज होगा। देखते हैं आगे क्या होता है। उन्होंने कहा, गुरनूर लगातार टीम में जगह बनाने के करीब पहुंच रहा है। वह सभी सही चीजें कर रहा है। लेकिन खिलाड़ी के तौर पर चयन ऐसी चीज है, जिसे वह नियंत्रित नहीं कर सकता। उसे बस यह सुनिश्चित करना है कि मौका मिलने पर वह पूरी तरह तैयार रहे। कई बार जब आप मौके के करीब होते हैं तो गेंदबाज के तौर पर आपका ध्यान भटक सकता है। जब उसे मौका मिलेगा और यह भी तय नहीं है कि कब मिलेगा, तो मेरा काम यह सुनिश्चित करना है कि वह 100 प्रतिशत तैयार रहे।

न्यूज ब्रीफ

हाकी इंडिया लीग का नया सत्र जनवरी के पहले सप्ताह से, खिलाड़ियों की नीलामी 7 दिसंबर को

नई दिल्ली। हाकी इंडिया ने हीरो हाकी इंडिया लीग 2026-27 सत्र की प्रमुख तारीखों और कार्यक्रम की घोषणा कर दी। प्रतियोगिता जनवरी 2027 के पहले सप्ताह में शुरू होगी। पुरुष और महिला दोनों वर्गों के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 7 दिसंबर 2026 को नई दिल्ली में आयोजित की जाएगी। नए सत्र के लिए टीमों के गठन की दिशा में यह अगला बड़ा कदम होगा। आगामी सत्र में पुरुष वर्ग में छह और महिला वर्ग में चार फ्रेंचाइजी हिस्सा लेंगी। लीग के माध्यम से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हाकी प्रतिभाओं को प्रमुख मंच उपलब्ध कराने की परंपरा जारी रहेगी। तैयारियां तेज होने के साथ ही फ्रेंचाइजी खिलाड़ियों के आपसी आदान-प्रदान और उन्हें टीम में बनाए रखने की प्रक्रिया पूरी करेंगी। इसके बाद उनका ध्यान नीलामी पर होगा। घोषित कार्यक्रम के अनुसार, फ्रेंचाइजी को अपने प्रस्तावित खिलाड़ी आदान-प्रदान की जानकारी 29 नवंबर 2026 तक सीधे संबंधित फ्रेंचाइजी को देनी होगी। आधिकारिक ट्रेडिंग विंडो 29 नवंबर को भारतीय समयानुसार दोपहर 12 बजे खुलेगी और 2 दिसंबर को सुबह 10 बजे बंद होगी। इसके बाद फ्रेंचाइजी को 2 दिसंबर को दोपहर 12 बजे तक खिलाड़ियों को स्थायी रूप से टीम से रिलीज करने की जानकारी हीरो हाकी इंडिया लीग को देनी होगी और अपनी अंतिम टीम सूची जमा करनी होगी। उसी दिन शाम 5 बजे हीरो हाकी इंडिया लीग सभी फ्रेंचाइजी को नीलामी के लिए तैयार संयुक्त खिलाड़ी सूची उपलब्ध कराएगी।



एसए20 : डरबन सुपर जायंट्स के नए मुख्य कोच बने केन विलियमसन

जोहानसबर्ग। डरबन सुपर जायंट्स ने एसए20 के पांचवें सत्र के लिए न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन को अपना नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। विलियमसन इससे पहले एसए20 के तीसरे और चौथे सत्र में खिलाड़ी के रूप में इस फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। अब वह कोच की भूमिका में किंग्समीड लौटेंगे। वह दक्षिण अफ्रीका के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी लांस क्लूजनर की जगह लेंगे। क्लूजनर लीग की शुरुआत से ही पिछले चार सत्रों से डरबन की टीम के मुख्य कोच रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में टीम ने दूसरे सत्र में उपविजेता रहकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। 36 वर्षीय विलियमसन को शुरुआत में पांचवें सत्र के लिए डरबन सुपर जायंट्स की टीम में शामिल किया गया था, लेकिन अब उन्हें कोच की जिम्मेदारी सौंप दी गई है। उनकी जगह लेने वाले खिलाड़ी के नाम की घोषणा बाद में की जाएगी। अपनी पीढ़ी के बेहतरीन बल्लेबाजों में गिने जाने वाले विलियमसन के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व का व्यापक अनुभव है। उनकी कप्तानी में न्यूजीलैंड ने 2019 के आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई थी। इस टूर्नामेंट में विलियमसन को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। इसके बाद उन्होंने 2021 में पहले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में न्यूजीलैंड को खिताबी जीत दिलाई थी। इस नियुक्ति के साथ आरपी-संजीव गोयनका समूह के साथ विलियमसन का जुड़ाव और मजबूत हुआ है। अक्टूबर 2025 में वह 2026 आईपीएल सत्र से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स के रणनीतिक सलाहकार बने थे। इसके अलावा वह द हंड्रेड में मैनचेस्टर सुपर जायंट्स के पुरुष बल्लेबाजी कोच की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। एडेन मार्करम एक बार फिर डरबन सुपर जायंट्स की कप्तानी करेंगे। उन्होंने पिछले सत्र में पहली बार टीम का नेतृत्व किया था।



चैंपियंस लीग फुटबाल में बार्सिलोना और लिले को मिली जीत, पीएसजी-रोमा का मुकाबला बराबरी पर रहा

बाकू। स्पेनिश क्लब एफसी बार्सिलोना ने यहां हुए यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबाल मुकाबले में सबाह एफके को 4-1 से हराकर राउंड आफ 16 में प्रवेश किया। वहीं एक अन्य मुकाबले में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) का मुकाबला एएस रोमा के साथ 2-2 से बराबरी पर रहा। वहीं एक अन्य मुकाबले में लिले क्लब ने जर्मनी के बायर्न म्यूनिख्रो 2-1 से हराकर सभी को हैरान कर दिया। ये लिले की लीग चरण में पहली जीत थी। बार्सिलोना को एंथनी गार्डन के दो गोल और करीम अदेयेमी तथा गेब्रियल जीसस के एक-एक गोल से लीग चरण में अपने पांचवें मुकबले में चौथी जीत मिली। बार्सिलोना ने इस मुकाबले में हाफ-टाइम के बाद लगातार दो गोल किये। गेब्रियल जीसस के शाट को पोकातिलोव ने रोका, लेकिन रिबाउंड पर गार्डन ने बार्सिलोना के लिए पहला गोल दागा। इसके तुरंत बाद, करीम अदेयेमी ने दूसरा गोल किया। जीसस ने तीसरा गोल जोड़ा, जबकि जाय-लांस मिकल्स ने एक शानदार फिनिश के साथ सबाह एफके के लिए एकमात्र गोल किया। अदेयेमी ने पांचवां गोल करने का मौका गंवाया जब पेनल्टी एरिया के अंदर से लगाया गया उनका जोरदार शाट क्रासबार से टकराया। इस जीत के साथ, बार्सिलोना ने तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए और वह राउंड आफ 16 में सीधे क्वालिफिकेशन की ओर बढ़ गयी है। वहीं पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने रोमा के साथ 2-2 से ड्रा खेलकर यूईएफए चैंपियंस लीग में अपना जीत का सिलसिला बनाये रखा। यह दोनों टीमों के बीच पहला मुकाबला था।

महिला एशियाई चैंपियंस ट्राफी : मलेशिया की चुनौती से पार पाना चाहेगा भारत

भोपाल

गत चैंपियन और विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज भारतीय महिला हाकी टीम मध्य प्रदेश महिला एशियाई चैंपियंस ट्राफी भोपाल 2026 के सेमीफाइनल में मलेशिया का सामना करेगी। नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में होने वाले इस मुकाबले में भारतीय टीम लगातार पांच जीत के साथ लीग चरण में शीर्ष पर रहने के बाद अब फाइनल में जगह बनाने उतरेगी। घरेलू टीम की नजरें चौथी बार खिताब जीतकर इतिहास रचने पर भी होंगी।

मुख्य कोच श्योर्ड मारिन के मार्गदर्शन में भारत ने टूर्नामेंट में लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए पांच मैचों में 15 अंक के साथ अंक तालिका में पहला स्थान हासिल किया। गत चैंपियन टीम ने इस दौरान 23 गोल किए और केवल चार गोल खाए। उसका गोल अंतर प्लस 19 रहा। भोपाल में भारतीय टीम के अभियान में उसकी आक्रमण की गहराई और रक्षात्मक मजबूती प्रमुख रूप से सामने आई है। इसी प्रदर्शन के दम पर भारत अंतरराष्ट्रीय हाकी महासंघ की विश्व रैंकिंग में अपने इतिहास के सर्वश्रेष्ठ चौथे स्थान पर पहुंचा।

दीपिका टूर्नामेंट की सबसे प्रभावशाली आक्रमण खिलाड़ियों में शामिल रही हैं। उन्होंने अब तक आठ गोल किए हैं और गोल करने वाली खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर हैं। इसमें थाईलैंड और चीन के खिलाफ उनकी हैट्रिक भी शामिल है। हालांकि, भारतीय टीम का आक्रमण केवल दीपिका पर निर्भर नहीं रहा है। ललरेमसियामी, नवनीत कौर, मुमताज खान, नेहा, साक्षी राणा और सुनेलिता टोप्पो ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

मध्यपंक्ति में नवनीत ने मौके बनाने और पेनल्टी कार्नर हासिल करने में अहम भूमिका निभाई है। वहीं, कप्तान सलीमा टेटे ने गेंद को सही खिलाड़ियों तक पहुंचाने, मैदान पर अपनी सक्रियता और नेतृत्व से टीम को मजबूती दी है। साक्षी, सुनेलिता और नेहा के योगदान ने भी दिखाया है कि भारतीय टीम मैदान के अलग-अलग हिस्सों से आक्रमण तैयार कर सकती है और गोल के मौके बना सकती है। इस विविधता ने कोच मारिन को तेज आक्रमण और रणनीतिक रूप से पेनल्टी कार्नर का इस्तेमाल करने के कई विकल्प दिए हैं।

भारत के पेनल्टी कार्नर भी गोल हासिल करने का महत्वपूर्ण जरिया रहे हैं। इस मामले में दीपिका ने अहम भूमिका निभाई है। यदि मलेशिया रक्षात्मक रूप से पीछे रहकर भारतीय टीम को सर्कल में सीधे प्रवेश करने से रोकने की कोशिश करता है, तो भारत के लिए पेनल्टी कार्नर की रणनीतियों में विविधता बनाए रखना जरूरी होगा। दूसरी ओर, भारतीय आक्रमण को रोकने के लिए मलेशिया को सर्कल में भारत की पहुंच सीमित करनी होगी और पेनल्टी कार्नर के मौके नहीं देने होंगे।



मलेशिया की टीम पांच मैचों में सात अंक लेकर चौथे स्थान पर रही और नए आत्मविश्वास के साथ सेमीफाइनल में उतरेगी। लीग चरण में उसने चीन के खिलाफ 2-2 से मुकाबला बराबर किया और दक्षिण कोरिया को 3-1 से हराया। इसके बाद अंतिम लीग मैच में थाईलैंड के खिलाफ 4-0 की शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले में मलेशिया ने खास जुझारूपन दिखाया। पहले तीन क्वार्टर तक मुकाबला गोलरहित रहने के बाद उसने अंतिम छह मिनट में चारों गोल किए।

नुरामिराह जुल्किफ्ली ने टूर्नामेंट में अब तक चार गोल किए हैं और वह मलेशिया की प्रमुख आक्रमण खिलाड़ियों में शामिल हैं। नूर अजर, अजमायरा अजरायरी, सिती मोहद और नूरमाइजातुल स्याफी ने भी गोल करने में योगदान दिया है। मलेशिया के आक्रमण में कई खिलाड़ियों की भागीदारी भारत के लिए रक्षात्मक चुनौती बढ़ा सकती है।

दोनों टीमें भोपाल में पहले भी आमने-सामने हो चुकी हैं। 19 नवंबर को लीग चरण के अपने शुरुआती मुकाबले में भारत ने मलेशिया को 4-1 से हराया था। उस मैच में भारत ने शुरुआती झटके से उबरकर धीरे-धीरे मुकाबले पर अपना नियंत्रण स्थापित किया था।

मारिन की टीम के लिए मध्यपंक्ति पर नियंत्रण, सर्कल में प्रभावी प्रवेश और मिले मौकों को गोल में बदलना अहम होगा। पांच मैचों में केवल चार गोल खाना भारतीय रक्षापंक्ति की मजबूती को दर्शाता है। मुकाबले के दौरान खेल की गति पर नियंत्रण रखना, दबाव में गेंद अपने पास बनाए रखना और आक्रमण के मौकों का निर्णायक इस्तेमाल करना भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। मलेशिया की अंतिम मिनटों में गोल करने की क्षमता को देखते हुए भारतीय टीम को पूरे मुकाबले में अपनी रक्षात्मक व्यवस्था और तीव्रता बनाए रखनी होगी।

पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए डिएंड्रा डाटिन की वेस्टइंडीज टीम में वापसी



नई दिल्ली

वेस्टइंडीज की अनुभवी हरफनमौला खिलाड़ी डिएंड्रा डाटिन पाकिस्तान के खिलाफ आगामी घरेलू सीरीज के लिए सफेद गेंद के दोनों प्रारूपों की टीम में लौट आई हैं। वेस्टइंडीज को इस सीरीज में तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने हैं। डाटिन सितंबर में जिम्बाब्वे दौरे पर वेस्टइंडीज के पिछले अंतरराष्ट्रीय अभियान का हिस्सा नहीं थीं। उन्हें निजी कारणों से अवकाश दिया गया था। डाटिन को चोट के कारण सीरीज से बाहर हुईं आफ स्पिनर अशमिनी मुनिसार की जगह टीम में शामिल किया गया है। बाकी टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वेस्टइंडीज ने दोनों प्रारूपों के लिए एक ही 15 सदस्यीय टीम चुनी है। हेली मैथ्यूज टीम की कप्तानी करेंगी, जबकि चिनेल हेनरी उपकप्तान की जिम्मेदारी निभाएंगी। इस सीरीज के साथ मैथ्यूज की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में भी वापसी होगी। जिम्बाब्वे दौरे के टी20 चरण के लिए उन्हें निजी कारणों से अवकाश दिया गया था। उनकी गैरमौजूदगी में हेनरी ने वेस्टइंडीज को टी20 सीरीज में 3-0 से जीत दिलाई थी। इससे पहले टीम ने वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी। इस साल की शुरुआत में टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद वेस्टइंडीज ने 2028 के संस्करण के लिए पहले ही अपनी जगह पक्की कर ली है। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज का विशेष महत्व है, क्योंकि ये मुकाबले आईसीसी महिला चैंपियनशिप का हिस्सा हैं। यह चैंपियनशिप 2029 के वनडे विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने वाली टीमों का निर्धारण करती है।

टी20 और वनडे सीरीज के लिए एक ही 15 सदस्यीय टीम घोषित, हेली मैथ्यूज संभालेंगी कप्तानी

तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले 8, 10 और 12 दिसंबर को खेले जाएंगे। इसके बाद 15, 17 और 20 दिसंबर को वनडे मुकाबले होंगे। सीरीज के सभी मैच डोमिनिका के रोसेउ स्थित विंडसर पार्क में खेले जाएंगे।

क्रिकेटर बाबा अपराजित ने खेल से संन्यास लिया



मुम्बई। 32 साल के क्रिकेटर बाबा अपराजित ने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी है। अपराजित साल 2012 अंडर-19 विश्व कप विजेता भारतीय टीम के सदस्य भी रहे हैं। चेन्नई की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले आलराउंडर अपराजित ने सोशल मीडिया के जरिये खेल को अलविदा कहा है। अपराजित ने तमिलनाडु के अलावा भारत ए की ओर से खेला है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स और राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स जैसी प्रतिष्ठित फ्रेंचाइजी के लिए भी खेला है। अपने घरेलू राज्य तमिलनाडु के लिए वह लगभग एक दशक तक टीम प्रमुख खिलाड़ी रहे। एक विश्वसनीय बल्लेबाज के तौर पर उन्होंने कई महत्वपूर्ण पारियां खेलीं और बाद में टीम की कप्तानी की बागडोर भी संभाली। पिछले दो सत्रों से वह केरल का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, जहां उन्होंने अपने अनुभव से युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन दिया। उनका अंतिम प्रतिस्पर्धी मैच इसी साल जनवरी में खेला गया था। गौरतलब है कि साल 2012 का अंडर-19 विश्व कप अपराजित के करियर का शायद सबसे बड़ा और यादगार पल रहा। उन्होंने उन दिनों भारत को विश्व चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

सैयद मुश्ताक अली ट्राफी : मुंबई की लगातार छठी जीत पुडुचेरी और हरियाणा ने आखिरी ओवर में दर्ज की जीत

नई दिल्ली

मुंबई ने सैयद मुश्ताक अली ट्राफी 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए उत्तराखंड को 86 रन से हरा दिया। मुशीर खान के 40 गेंदों पर 65 रन की पारी ने मुंबई को मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। हार्दिक तामोरे ने 14 गेंदों पर 39 रन की तेजतर्रार पारी खेलकर टीम को शुरुआती गति दी, जबकि अंगकृष रघुवंशी ने 51 रन बनाए। मुंबई की टीम अंतिम ओवर में 209 रन बनाकर आलआउट हुई। उत्तराखंड की ओर से रविंदर नेगी और जगदीशा सुचित ने तीन-तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए उत्तराखंड की टीम 58 रन पर पांच विकेट गंवाकर मुश्किल में आ गई। इसके बाद शाश्वत डांगवाल ने 20 गेंदों पर 37 रन और जगदीशा सुचित ने 19 रन बनाकर कुछ संघर्ष किया। हालांकि, अथर्व अंकोलेकर ने निचले क्रम को समेटते हुए 17 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। उत्तराखंड की टीम 16.5 ओवर में 123 रन पर सिमट गई। यह सात मैचों में मुंबई की छठी जीत है। उसका एक मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था। इस प्रदर्शन के साथ मुंबई ग्रुप डी में शीर्ष स्थान पर मजबूती से कायम है। कर्नाटक ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर बड़ौदा को आठ विकेट से हराया। बड़ौदा की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 118 रन पर आलआउट हो गई। श्रीशा आचार और विद्वत कावेरप्पा ने चार-चार विकेट हासिल किए। शाश्वत रावत ने 31 रन बनाए, जबकि ध्रुव पटेल ने 33 रन का योगदान दिया।



हालांकि, 31 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद बड़ौदा की टीम दबाव से उबर नहीं सकी। जवाब में कर्नाटक ने रोहन पाटिल के 48 और कृष्णन श्रीजित के 33 रन की मदद से पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़े। इसके बाद करुण नायर ने 20 गेंदों पर नाबाद 30 रन बनाकर टीम को 16.1 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर लक्ष्य तक पहुंचा दिया। कर्नाटक ने 23 गेंद शेष रहते जीत हासिल की। पुडुचेरी ने मध्य प्रदेश को दो विकेट से हराकर रोमांचक जीत दर्ज की। उसने 158 रन का लक्ष्य दो गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। मध्य प्रदेश की टीम 25 रन पर तीन विकेट गंवाकर मुश्किल में थी, लेकिन हर्ष गवाली ने 48 गेंदों पर नाबाद 72 रन की पारी खेलकर टीम को सात विकेट पर 157 रन तक पहुंचाया। प्रणय सिंह ने 29 रन देकर चार विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए पुडुचेरी के परमेश्वरन शिवरामन ने 30 गेंदों पर नाबाद 46 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई।

वेदांत भारद्वाज ने 26 और गौतम दिलीप शास्त्री ने 35 रन का योगदान दिया। शिवांग कुमार ने तीन विकेट लिए, लेकिन वह मध्य प्रदेश को हार से नहीं बचा सके। इस हार के साथ मध्य प्रदेश ने लगातार दो पराजयों के साथ ग्रुप चरण का समापन किया। हरियाणा ने जम्मू-कश्मीर को दो विकेट से हराकर उसकी लगातार तीन जीत का सिलसिला रोक दिया। जम्मू-कश्मीर ने अब्दुल समद के 45 गेंदों पर नाबाद 77 रन की बदौलत नौ विकेट पर 167 रन बनाए। समद ने अपनी पारी में छह छक्के लगाए। कनिष्क चौहान ने 10 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करते हुए यशवर्धन दलाल ने 18 गेंदों पर 38 रन बनाकर हरियाणा को तेज शुरुआत दिलाई। कप्तान अंकित कुमार ने 35 रन बनाए, जबकि राहुल तेवतिया ने 10 गेंदों पर नाबाद 20 रन की पारी खेलकर टीम को जीत तक पहुंचाया।

आईएलटी20 : दुबई कैपिटल्स ने दर्ज की सीजन की पहली जीत, डेजर्ट वाइपर्स को 45 रन से हराया

दुबई

दुबई कैपिटल्स ने डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 के पांचवें सीजन में अपनी पहली जीत दर्ज की। दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में कैपिटल्स ने हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए डेजर्ट वाइपर्स को 45 रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए दुबई कैपिटल्स ने सात विकेट पर 164 रन बनाए। जवाब में डेजर्ट वाइपर्स की टीम 17.5 ओवर में 119 रन पर सिमट गई।

दुबई कैपिटल्स की ओर से सैम बिलिंग्स ने 31 गेंदों पर 43 रन और रोवमैन पावेल ने 12 गेंदों पर तेजतर्रार 28 रन बनाए। गेंदबाजी में नूर अहमद ने चार विकेट लेकर सबसे अहम भूमिका निभाई। मुस्तफिजुर रहमान ने दो विकेट हासिल किए, जबकि दुश्मंथा चमीरा और हसन खान ने भी दो-दो विकेट लिए। डेजर्ट वाइपर्स की ओर से एंड्रिस गास ने सर्वाधिक 30 गेंदों पर 27 रन बनाए।

टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दुबई कैपिटल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। मसूद गुरबाज दो गेंदों पर दो रन बनाकर फाफ डुप्लेसिस के साथ गलतफहमी के कारण रन आउट हो गए। इस समय टीम का स्कोर आठ रन पर एक विकेट था। इसके बाद मैक्स होल्डन ने डुप्लेसिस के साथ मिलकर पावरप्ले तक पारी को संभाला। दोनों के बीच 34 गेंदों पर 37 रन की साझेदारी हुई।

हालांकि, यह साझेदारी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। सातवें ओवर में वाइपर्स के कप्तान शादाब खान ने मैक्स होल्डन को कैच आउट करा दिया। इसके कुछ ही देर बाद डुप्लेसिस भी नांगेयालिया खान की गेंद पर स्टंप आउट हो गए। वह अपनी पारी में पहला चौका लगाने की कोशिश कर रहे थे।



9.4 ओवर में 61 रन पर तीन विकेट गिरने के बाद सैम बिलिंग्स और मार्कस स्टोइनिस ने पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 40 गेंदों पर 59 रन जोड़े। इस दौरान चौके लगाना आसान नहीं था, लेकिन बिलिंग्स ने 16वें ओवर में शादाब खान के खिलाफ एक छक्का और दो चौके लगाकर रन गति बढ़ाई।

दुबई कैपिटल्स जब बड़े स्कोर की ओर बढ़ती दिख रही थी, तभी खुजैमा तनवीर ने 16.2 ओवर में स्टोइनिस को आउट कर दिया। इस समय टीम का स्कोर 120 रन था। तनवीर ने 19वें ओवर में बिलिंग्स और करीम जनत को भी पवेलियन भेजा। उन्होंने तीन विकेट लेकर वाइपर्स की ओर से सबसे सफल गेंदबाज का प्रदर्शन किया। तीन पारियों में आठ विकेट के साथ उन्होंने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज को दिए जाने वाला सफेद बेल्ट भी अपने नाम कर लिया।

अंतिम ओवरों में रोवमैन पावेल ने तेजी से रन बनाते हुए दुबई कैपिटल्स को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। उन्होंने 12 गेंदों पर 28 रन की पारी में दो चौके और दो छक्के लगाए। अंतिम ओवर में उन्होंने 16 रन बटोरे और टीम को 20 ओवर में सात विकेट पर 164 रन तक पहुंचा दिया।

165 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी डेजर्ट वाइपर्स की शुरुआत खराब रही। दूसरे ओवर में दुश्मंथा चमीरा ने बाबर आजम को दो गेंदों पर एक रन के निजी स्कोर पर आउट कर दिया। टीम का स्कोर दो रन पर एक विकेट हो गया। इसके बाद फखर जमान और एंड्रिस गास ने 35 रन जोड़े। पांचवें ओवर में मुस्तफिजुर रहमान ने फखर को कैच आउट कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। फखर ने 11 गेंदों पर 12 रन बनाए। इस समय वाइपर्स का स्कोर 37 रन पर दो विकेट था। इसके बाद नूर अहमद ने गेंदबाजी की कमान संभाली।